newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ६ | २७ फरवरी से ५ मार्च २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

महिलाओं की भागीदारी

अनगिनत जिम्मेदारियां निभाने वाली गृहिणी की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी की अनदेखी कई मोर्चों पर तकलीफदेह है। इस उपेक्षा के चलते गृहिणियों में अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। उनके श्रम और सहभागिता को मान न मिलना अपराधबोध को भी जन्म देता है। नतीजतन, बहुत-सी शारीरिक, मानसिक व्याधियां भी उन्हें घेर लेती हैं। हाल ही में केरल उच्च न्यायालय ने केरल राज्य सड़क परिवहन निगम को एक सड़क हादसे में पीड़िता को इस आधार पर मुआवजा देने से इनकार करने पर फटकार लगाई कि पीड़िता गृहिणी है। वह कोई पैसा नहीं कमाती, इस वजह से वह दिव्यांगता और अन्य सुविधाओं के लिए मिलने वाले मुआवजे की सुपात्र नहीं है। न्यायालय ने इस तर्क को अपमानजनक और समझ से परे बताया। न्यायालय ने कहा कि हादसे के लिए मुआवजा एक गृहिणी और कामकाजी महिला के लिए समान होना चाहिए। गृहिणी भी अपने परिवार को पूरा समय देती है। इस मामले में अदालत ने गृहिणी की भूमिका को राष्ट्र निर्माता बताते हुए बेहतर मुआवजा देने का आदेश दिया। दरअसल, घरेलू मोर्चे पर सब कुछ संभालने के बावजूद महिलाओं को कुछ न करने वाली भूमिका में देखा जाना हमारे यहां आम बात है। घर की जिम्मेदारियां संभालने वाली इन महिलाओं की आय को मौद्रिक रूप में न आंके जाने के कारण उनकी आपाधापी और योगदान को जरा कम करके ही देखा जाता है। सामाजिक-पारिवारिक बर्ताव से लेकर महिलाओं के लिए बनने वाली नीतियों और योजनाओं की रूपरेखा तक पर, उन्हें कमतर समझने की इस सोच का असर साफ दिखता है। तभी तो गृहिणियों के लिए कहीं कोई विशेष प्रावधान नजर नहीं आता। जबकि गृहिणियां अपने से ज्यादा प्राथमिकता अपनों और अपने से जुड़े संबंधों को देती हैं। ऐसे में गृहिणी की भूमिका पर न्यायाधीश का यह कहना कि एक मां और पत्नी के रूप में उनका योगदान अमूल्य है, वाकई विचारणीय है। इसका सीधा संदेश यही है कि महिलाओं की आम-सी लगने वाली इस भूमिका को खास नजरिए से समझा जाना आवश्यक है। गौरतलब है कि २०२० में मुंबई हाईकोर्ट ने भी एक महत्त्वपूर्ण आदेश में एक महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में उसके परिजनों को मुआवजा देने का आदेश दिया था। अदालत ने वाहन दुर्घटना पंचाट के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें महिला के परिजनों को उसके गृहिणी होने की वजह से मुआवजा देने से इनकार किया गया था। तब भी न्यायालय ने बेहद संवेदनशील टिप्पणी की थी कि गृहिणी के रूप में एक महिला की भूमिका एक परिवार में सबसे महत्त्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होती है। वास्तव में वह भावनात्मक रूप से परिवार को एक साथ रखती है।वह घर में पति का सहयोग करने वाला एक स्तंभ, अपने बच्चों के लिए एक मार्गदर्शक और परिवार के बुजुर्गों के लिए आश्रय की तरह होती है। वह एक दिन की भी छुट्टी लिए बिना दिन-रात काम करती है, भले वह कामकाजी महिला हो या न हो। हालांकि, वह जो काम करती है, उसकी कोई सराहना नहीं होती और उसे नौकरी नहीं माना जाता है। एक महिला द्वारा घर में दी जाने वाली सेवाओं को मौद्रिक दृष्टि से गिनना एक असंभव कार्य है, जो सैकड़ों घटकों से मिलकर बने होते है। कोरोना काल में गृहिणियों द्वारा न केवल अपनों, बल्कि आस-पड़ोस के लोगों तक भी मदद पहुंचाने के कई उदाहरण सामने आए थे। घर तक सिमटी जिंदगी के तकलीफदेह दौर में भी घरेलू महिलाओं ने हर आपाधापी से जूझते हुए अपनों को संभाला था। दरअसल, न्यायिक मामलों में आई ये टिप्पणियां कहीं न कहीं समाज और परिवार को भी सजग करने वाली हैं। घरेलू महिलाओं की भागीदारी को लेकर सही मायने में जागरूक करती है।

ऑनलाईन टैक्स भरनेवालों की संख्या में हुआ इजाफा

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भाईंदर : मीरा- भाईंदर मनपा ने प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली में रेकॉर्ड बनाया है। मनपा प्रशासन ने आय वढाने और टैक्स वसूली मुहिम तेज कर दी है, जिसका असर अब दिख रहा है। मनपा ने संपत्ति कर की रिकॉर्ड वसूली करते हुए कुल १५० करोड.रुपये का लक्ष्य पार कर लिया है। किसी भी वित्त वर्ष के ११ महीने में हुई यह अव तक की रिकॉर्ड वसूली है। वित्त वर्ष २०२१-२२ में समान अवधि में १२८ करोड.रुपये की वसूली हुई थी। गौरतलब है कि मनपा ने वित्त वर्ष २०२२-२३ के लिए २०० करोड.रुपये का लक्ष्य रखा है। इस लिहाज से आगामी ५ सप्ताह में मनपा को ५० करोड.रुपये की और वसूली करनी है। मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने कर विभाग के अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मानोरकर और उपायुक्त संजय शिंदे सहित पूरे विभाग को इसका

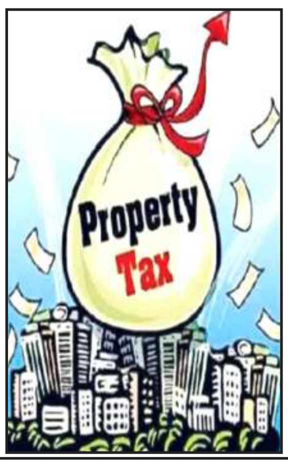

श्रेय दिया है। वित्त वर्ष २०२१-२२ में मनपा को संपत्ति कर से १६१ करोड.रुपये की आय हुई थी। गौरतलब है कि मीरा-भाईंदर मनपा की कमाई का सबसे बडा साधन संपति कर है। मनपा लगभग पौने चार लाख संपत्तियों से कर की वसूली करती है। इसमें लगभग ७०,००० व्यावसायिक और ३,१०,००० रहिवासी संपत्तियां हैं। विगत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष ऑनलाइन टैक्स भरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। १५० करोड.रुपये में लगभग ६० करोड.रुपये के टैक्स की वसूली ऑनलाइन हुई है। मनपा ऑनलाइन टैक्स भरने को लगातार प्रोत्साहित भी कर रही है। शिंदे ने कहा कि ऑनलाइन टैक्स भरने वालों का आंकडा लगभग ४०% के आसपास पहुंच रहा है। उपायुक्त संजय शिंदे ने बताया कि कर विभाग द्वारा कर की वसूली के लिए मुहिम चलाई गई है, जिसे अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। आयुक्त भी प्रत्येक सप्ताह टैक्स वसूली को लेकर बैठक कर रहे हैं और अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। मनपा ने इस बार वसूली को लेकर रिकॉर्ड ९४००० बकाएदारों को नोटिस भी भेजा है। मनपा ने कई बकाएदारों की संपत्ति को जब्त करने की चेतावनी भी दी है, कई लोगों को नोटिस भी भेजा है।

मिरा भाईंदर में सामुहिक विकास योजना का पहला चरण हुआ पुरा

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : महानगर पालिका ने मीरा भायंदर में ३२ शहरी बस्तियों में क्लस्टर विकास योजनाओं के इम्प्लीमेंटेशन पर एक सर्वे रिपोर्ट जारी किया है। इन ३२ बस्तियों के अन्तर्गत १ हजार ५३१ एकड.ज़मीन पर सामूहिक विकास के अन्तर्गत विद्यमान पुराने भवनों, मकानों, चालियों, झोपड़पट्टियों को तोडक़र नवीन भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। ऐसा माना जा रहा है की इससे शहर के हजारों परिवारों को राहत मिलेगी। मीरा भायंदर शहर का भायंदर पूर्वी इलाका सबसे घनी आबादी वाला इलाका है। भायंदर पश्चिम में भी यही स्थिति है। पहले से ही पुराने भवनों का निर्माण अवैध रूप से किया जा रहा है और कारपेट एरिया का निर्माण मानक से अधिक किया जा चुका है। इसके अलावा, कई इमारतों को डेवलपर द्वारा भूमि का स्वामित्व अधिकार नहीं दिया गया है। इससे यहां पुनर्विकास की समस्या गंभीर हो गई है। मनपा ने कई भवनों को खतरनाक बताकर तोड.दिया, लेकिन इन भवनों का पुनर्विकास नहीं हो पा रहा है, इसलिए रहवासी सडक़ों पर आ गए हैं। नए भवनों का निर्माण करते समय भी अनाधिकृत निर्माण से रहवासियों को काफी परेशानी हो रही है। खतरनाक और अनाधिकृत

इमारतों के साथ-साथ अनाधिकृत झुग्गि झोपड़ियों का साम्राज्य बडे.पैमाने पर खड़ा है। इसमें कोई दो राय नहीं है की ये प्रशासन और राजनेताओं की मिलीभगत से हुआ है। वोट के लिए झुग्गि झोपड़ियों को सभी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं और निजी भूमि के साथ-साथ सरकारी भूमि पर भी कुकुरमुत्ता की तरह जम जाती हैं। विधायक प्रताप सरनाईक और गीता जैन ने क्लस्टर विकास योजना के माध्यम से शहर में पुरानी इमारतों को विकसित करने के लिए सरकार से लगातार पत्र व्यहवार किया था क्योंकि उन्हें स्वतंत्र रूप से पुनर्विकास करना संभव नहीं था। तत्कालीन सरकार ने २ दिसंबर, २०२० को एक अधिनियम पास किया था जिसके तहत अनाधिकृत आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक सहित विद्यमान खतरनाक भवनों, मलिन बस्तियों, चालियों तथा सार्वजनिक, अर्द्धसार्वजनिक सुविधाओं आदि पर रोक लगाने का निर्देश जारी किया है। आयुक्त दिलीप ढोले ने मीरा भायंदर शहर में समूह विकास योजना को लागू करने के लिए एक स्पेशलिस्ट कंसलटेंट फर्म की नियुक्ति की है। योजना को तीन चरणों में लागू किया जाएगा। कंसल्टिंग कंपनी ने सर्वे कर योजना तैयार की है कि शहर में ३२ समूह विकास योजनाओं को लागू किया जा सकता है। इस योजना के तहत १ हजार ५३१ एकड.का रकबा आएगा। भवन के ५२ प्रतिशत निवासियों को अपने डेवलपर को चुनने के लिए सहमत होना जरूरी होगा। इन योजनाओं को अंतिम रूप देकर गजट में प्रकाशित किया जाएगा। आयुक्त दिलीप ढोले ने कहा है कि योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है और दूसरे चरण का काम शुरू किया जाएगा.

शहर में अवैध प्लांटों की भरमार! मनपा करती है खानापूर्ति की कारवाई

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : चल रहे रेडी मिक्स कॉन्क्रीट (आरएमसी) प्लांट से आसपास के परिसर में प्रदूषण फैल रहा है। गौरतलब है कि प्लांट रहिवासी क्षेत्र के बीच बना हुआ है। इतना ही नहीं, प्लांट के करीब एक अस्पताल भी है। यहां भर्ती मरीजों के लिए यह प्लांट अधिक नुकसानदायक है। प्लांट के आसपास कई बहुमंजिला इमारतें है। पूर्व नगरसेवक और सामाजिक कार्यकर्ता रोहित सुवर्णा बताते हैं कि रात के समय में नियमों के विरुद्ध प्लांट में बडे.पैमाने पर गाडियों की आवाजाही होती है। इससे सडक़ों पर काफी धूल उडती रहती है। इससे स्थानीय लोगों के बीमार पडऩे का डर बना रहता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त प्लांट

को मीरा-भाईंदर मनपा ने किसी तरह की अनुमति नहीं दी है। मनपा ने उक्त प्लांट पर कार्रवाई की बात कही है। रोहित सुवर्णा बताते हैं कि प्लांट में बडे.पैमाने पर नियमों का उल्लंघन हो रहा है। नियमानुसार, प्लांट पर डस्ट सक्शन मशीन, वॉटर स्प्रिंकल, टायर वॉशिंग की सुविधा होनी चाहिए। लेकिन प्लांट पर इसका बडे. पैमाने पर अभाव दिखा। नियमानुसार, रेत को खुले में नहीं रख सकते हैं, लेकिन उक्त प्लांट पर रेत खुले में रखा हुआ था और उस पर किसी प्रकार का पानी का स्प्रिंकल भी नहीं हो रहा था। इस प्लांट के आबादी के बीच होने और नियमों का उल्लंघन करने से इलाके में प्रदूषण बढ.रहा है। सांस से संबंधित बीमारियों के मरीजों के लिए यह प्रदूषण अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। सुवर्णा बताते हैं कि मनपा, तहसीलदार और प्रदूषण बोर्ड के बीच तालमेल के अभाव में शहर में बडे.पैमाने पर अवैध प्लांट चल रहे हैं। कार्रवाई के नाम पर सभी विभाग एकदूसरे पर जिम्मेदारी थोप देते हैं। सुवर्णा कहते हैं कि अगर जल्द ही एक टास्क फोर्स गठित कर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो शहर में प्रदूषण बढ.जाएगा। इससे पहले राज्य मानवाधिकार आयोग भी शहर में प्रदूषण फैलाने को लेकर मनपा, प्रदूषण बोर्ड और ठाणे जिलाधिकारी को समन भेज चुका है। इसके बाद शहर के कुछ प्लांट्स पर कार्रवाई जरूर हुई थी, लेकिन वह अपर्याप्त थी। बता दें कि विधायक प्रताप सरनाईक भी इस मुद्दे को उठा चुके हैं।

सरकारी काम में बाधा डालनेवाले भवन निर्माता के खिलाफ मामला दर्ज

भाईंदर : बिना अनुमति के बनाई गई अवैध पार्किंग पर कार्रवाई करने गए मीरा भायंदर महानगर पालिका के अधिकारियों को मैनगीजि और उनके आदमियों ने बिल्डिंग के अंदर धक्का मुक्की कर गेट पर ताला लगा दिया। पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए बिल्डर और उसके साथियों के खिलाफ बुधवार को भायंदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है। डेव्हलपर्स कल्पेश जैन, कुलदीप जैन, निखिल जैन और उनके साथियों ने प्रभाग समिति १ में सॉलिसिटर बिल्डिंग में अवैध रूप से एक पार्किंग स्थल बनाया था। सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा गुप्ता ने नगर रचना विभाग के साथ पालिका आयुक्त से इसकी शिकायत की थी। यह पार्किंग स्पेस रहिवासियों को बेचने के बाद उसी स्थान पर अवैध कंस्ट्रक्शन चल रहा है. वार्ड समिति के कनिष्ठ अभियंता निर्माण स्थल पर शिकायत की जांच करने के बाद, उन्होंने कृष्णा गुप्ता की शिकायत को सही पाया। जिसके बाद गायकवाड. ने ३० जनवरी को कल्पेश जैन, प्रकाश जैन व परामर्शी अभियंता बीएसी प्लानर्स एंड इंजीनियर्स को नोटिस जारी कर मैकेनिकल पार्किंग के अवैध निर्माण को तत्काल हटाने को कहा. तदनुसार, नोटिस पीरियड के बाद बुधवार को कार्रवाई करने गए वार्ड अधिकारी कंचन गायकवाड, इंजीनियर वैभव कुलथे, दिग्विजय देवरे और महाराष्ट्र सुरक्षा बल के कर्मियों को इमारत के मुख्य द्वार पर धक्का मुक्की कर ताला लगा दिया गया और लगभग एक घंटे तक अटकाए रखा। सरकारी काम में बाधा डालने और गाली-गलौज करने के आरोप में मैनगीजि और उनके आदमियों के खिलाफ भायंदर थाने में मामला दर्ज किया गया है.

जनता की सुविधाएं के लिए लगाएं सीसीटीवी कैमरे

भाईंदर। उत्तन सागरी थाने में नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम मीरा भायंदर की पहली महिला विधायिका गीता भरत जैन द्वारा लाए गए विशेष फंड से पूरा किया गया। पिछले दो से ढाई साल से हो रहे इस कार्य का शुभारंभ आज विधायक गीता भरत जैन ने किया। उत्तन पुलिस थाने के अंतर्गत इन सीसीटीवी कैमरों से उत्तान क्षेत्र में आने वाले नागरिकों, पर्यटकों की सुरक्षा और पुलिस प्रशासन को भी काफी लाभ होगा। दिलीप ढोले, पुलिस उपायुक्त शजयवंत बजबाले, अपर आयुक्त संभाजी पानीपटे, उपायुक्त संजय शिंदे, वरिष्ट पुलिस निरीक्षक दादाराम करांडे सहित अन्य पुलिस अधिकारी, समस्त पत्रकार एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

बिल्डर बना बस स्टॉप बनाने में रोडा, मनपा की चेतावनी कोई समझोता नहीं

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : काशिमिरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक निर्माणाधीन बस स्टॉप का सामान चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में बस स्टॉप के ठेकेदार ने एक विल्डर के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत दी है, जिस पर पुलिस विभाग जांच कर रहा है। बस स्टॉप के चोरी होने की खबर शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला कुछ इस प्रकार है कि पूर्व उप महापौर हसमुख गहलोत की निधि से लगभग ४० फीट लंवे वस स्टॉप का निर्माण मुंबई- अहमदावाद हाइवे स्थित वेस्टर्न होटल के पास हो रहा है। उक्त जगह

पर रोजाना हजारों की संख्या में यात्री आते हैं, लेकिन यहां पर कोई भी बस स्टॉप नहीं है। बसस्टॉप को बनाने का काम आरोन इंटरप्राइजेज नामक ठेकेदार को दिया गया है । बसस्टॉप न होने से लोगों को बरसात और गर्मी में काफी समस्याओं का सामना करना पडता है। उक्त बस स्टॉप के ठीक पीछे एक रिहायसी प्रोजेक्ट बन रहा है। एमवीएमसी के कार्यकारी अभियंता दीपक खाम्बित बताते हैं कि उक्त प्रोजेक्ट का बिल्डर वस स्टॉप के निर्माण में अडंग़ा लगा रहा है और उसने उच्च न्यायालय में मनपा के खिलाफ एक रिट पिटिशन दायर की है। खाम्बित कहते हैं कि जनहित के विषयों में मनपा कोई समझौता नहीं करेगी।

जनता के दिलों में राज करते है उद्धव ठाकरे -छगन भुजबल

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : उद्धव ठाकरे के पक्ष का नाम शिवसेना और चुनाव चिह्न धनुष-बाण को चुनाव आयोग ने ले लिया है, फिर भी लोगों के मन में उद्धव ठाकरे ही पक्षप्रमुख के रूप में विराजमान हैं। भाजपा के विरुद्ध सभी विपक्षी दलों के एकत्र होने की प्रकिया धीरे-धीरे शुरू है। ऐसी प्रतिक्रिया राकांपा नेता व पूर्व मंत्री छगन भुजबल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे की मुलाकात पर दी है। छगन भुजबल कल नासिक में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। आगामी एक साल में चुनाव आनेवाला है। इसलिए राजनीतिक गतिविधियां शुरू हैं। चुनाव के मद्देनजर दक्षिण हिंदुस्थान में चर्चाएं ज्यादा तेज हैं। सभी पार्टियों को एक साथ आने की जरूरत है, अगर ऐसा हो रहा है तो अच्छा है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी, नोटबंदी के खिलाफ बोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, ऐसा भुजबल ने कहा। लोकतंत्र पर प्रेम है, इसलिए छोटे दल भी भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसा भी भुजबल ने कहा। औरंगाबाद के नामांतरण पर भुजबल ने कहा कि शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे की अनेक वर्षों से मांग थी। महाविकास आघाड़ी के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने दोनों प्रस्ताव मंजूर किया था। इस बात का आनंद है। बालासाहेब की इच्छा और महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल की मांग मंजूर की गई। थोड़े दिनों में लोग संभाजीनगर नाम का उपयोग करने लगेंगे, ऐसा भुजबल ने कहा। बॉम्बे के मुंबई बनने के बाद हमने देखा कि दुनिया भर में मुंबई, मुंबई हो गई। धीरे-धीरे लोगों को आदत हो जाएगी, प्लेन में चढ़ने के बाद अनाउंसमेंट होगा, शब्द कानों पर पड़ेंगे, फिर संभाजीनगर, धाराशिव कहने की आदत हो जाएगी, ऐसा भुजबल ने कहा। औरंगाबाद के नामांतरण पर एमआईएम ने विरोध किया। इस सवाल पर भुजबल ने कहा कि एकाध विषय किसी को नहीं जमते हैं, तो लोग विरोध करते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अब यह विषय समाप्त हो गए हैं।

८ महीने बाद भी कैबिनेट विस्तार नहीं

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : राज्य में शिंदे-फडणवीस सरकार को आए ८ महीने बीत चुके हैं, जबकि नौवां महीना शुरू है। नौवां महीना शुरू होने के बावजूद राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की कोई संभावना नहीं है, ऐसी चर्चा अब मंत्रालय में शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों के शीतकालीन सत्र के दौरान पसीने छूट गए थे। विधानमंडल का बजट सत्र दो दिन बाद है लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। ऐसे में इस अधिवेशन में सत्ताधारी पक्ष का विपक्ष के सवालों का जवाब देने में पसीना छूटना तय है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि सत्ताधारी यही सोच रहे हैं विपक्ष का जवाब कैसे देंगे? मंत्रिमंडल विस्तार न होने से सत्ताधारियों पर यह संकट आया है। पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री

और उपमुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे का सिलसिला जारी है। हर दौरे के बाद राज्य में कैबिनेट विस्तार की कोई समस्या नहीं है, ऐसा शिंदे-फडणवीस की ओर से जवाब आ रहा था। इतना ही नहीं, नेता द्वय कहते थे कि जल्द ही दूसरे चरण में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा लेकिन अभी भी कैबिनेट विस्तार की हलचल शुरू होती नजर नहीं आ रही है। चूंकि मौजूदा मंत्रियों को तीन-चार विभागों का प्रभार सौंपा गया है, इसलिए प्रत्येक मंत्री काम के बोझ से परेशान हैं। बजट सत्र सोमवार २७ फरवरी से शुरू हो रहा है लेकिन सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना अब खत्म हो चुकी है। इस सत्र में भी कैबिनेट मंत्रियों की पर्याप्त संख्या नहीं है। राज्य मंत्री का पता तक नहीं है। शीतकालीन सत्र की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए कुछ विभागों की जिम्मेदारी अन्य मंत्रियों को दी जाएगी। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि जल्द ही एक सर्वुंलर जारी किया जाएगा कि किस मंत्री को किस विभाग की जिम्मेदारी दी जा रही है।

महिला टी-२० विश्वकप : तो हम जीत जाते सेमीफाइनल !

महिला टी-२० विश्व कप में टीम इंडिया का सफर खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में हिंदुस्थान को पांच रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम सातवीं बार महिला टी-२० विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। मैच शुरू होने से पहले जानकारों का कहना था कि इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोई हरा सकता है तो वह हिंदुस्थान है और गुरुवार को न्यूलैंड्स के मैदान पर हरमनप्रीत कौर की टीम ने लगभग ऐसा कर ही दिया था। लेकिन खेल में लगभग का कोई स्थान नहीं होता। स्थान होता है तो नतीजे का। महिला टी-२० वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में मैग लैनिंग की कप्तानी वाली टीम ने लक्ष्य रखा १७३ रन। भारत ने लड़खड़ाकर शुरुआत की लेकिन संभलकर ऐसा काउंटर-अटैक किया कि विश्व चैंपियन टीम बौखलाने लगी। १०वें ओवर तक भारत की गाड़ी सरपट दौड़ रही थी और ऑस्ट्रेलिया अब पनाह मांग रहा था। लेकिन: नतीजा वह नहीं हुआ, जो टीम इंडिया के प्रशंसक चाह रहे थे। मैच पलटा और ऐसा पलटा कि भारत ऑस्ट्रेलिया से पांच रन पीछे रह गया। कहते हैं पकड़ो वैंच और जीतो मैच। लेकिन भारतीय टीम की फील्डिंग बहुत खराब रही। टीम ने एक-दो नहीं बल्कि तीन-तीन वैंच छोड़े। मैच जब टी-२० वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल का हो और सामने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम हो तो ऐसी गलतियां बहुत भारी पड़ती हैं। हुआ भी ऐसा। दूसरा मुख्य कारण टीम इंडिया का मुख्य तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की गेंदों में धार नजर नहीं आई। रेणुका की गेंदों में न तो स्विंग नजर आ रहा था और न ही वे सही लाइन और लेंथ ही हासिल कर पा रही थीं। रेणुका ने चार ओवरों में ४१ रन दिए और वह कोई विकेट भी हासिल नहीं कर पाईं। पारी का आखिरी ओवर जो उन्होंने फेंका उसमें उन्होंने १८ रन दिए। टीम इंडिया की शुरुआत काफी निराशाजनक रही। पारी के पावर प्ले ओवर में शेफाली वर्मा, मंधाना और यास्तिका भाटिया का सस्ते में आउट हो जाना टीम को काफी क्षति पहुंचाया। तीन विकेट गिरते ही हिंदुस्थानी बल्लेबाज दबाव में आ गए। हिंदुस्थान ने तीन विकेट २८ रन पर गवां दिए थे लेकिन यहां से जैमिना रोडरिक्स और हरमनप्रीत कौर ने मिलकर मजबूत साझेदारी की। दोनों ने मिलकर ६.२ ओवरों में ६९ रन जोड़ दिए। भारतीय पारी टॉप गियर में चल रही थी। लेकिन तभी जैमिमा २४ गेंद पर ४७ रन बनाकर आउट हो गईं। हरमनप्रीत कौर का बल्ला अटकना भारत की हार की सबसे बड़ी वजह रहा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को लगभग चित कर ही दिया था। १५वें ओवर में दूसरा रन लेते हुए उनका बल्ला अटक गया। और नतीजा यह हुआ कि वह रन आउट हो गईं। आखिर में भारत ऑस्ट्रेलिया के स्कोर से पांच रन दूर रह गया।

हां मैं समलैंगिक हूं

एक बार फिर सारा को कहना पड़ रहा है कि वो समलैंगिक है। जबकि उसने अपनी पार्टनर से विवाह भी किया और अब जब उसकी प्रेग्नेंसी की खबर दी तो ट्रोल होने लगी। इस पर इंग्लैंड की पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर ने अपने आलोचकों को तगड़ा जवाब दिया है। सारा ने कई ट्वीट करते हुए सभी की बोलती बंद कर दी। २०१९ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेनेवाली सारा ने कहा कि मैं लेस्बियन हूं और खुश हूं। उन्होंने ट्वीट में लिखा- मैंने यह अनुमान नहीं लगाया था कि मुझे अपने साथी की प्रेग्नेंसी की घोषणा करते समय अक्सर पूछे जानेवाले प्रश्नों के जवाब देने चाहिए थे। उम्मीद है कि मैं कुछ सवालों के जवाब दे पाऊंगी। उन्होंने आगे लिखा- एक अज्ञात व्यक्ति से दान किया गया स्पर्म, जो दूसरों को एक बहुत ही अनूठा अवसर देना चाहता है:। बता दें कि सारा ने कोहली को सोशल मीडिया पर शादी के लिए प्रपोज करते हुए सुर्खियां बटोरी थीं।

कोहली ने खरीदा अलीबाग में विला

लीजिए, अब एक और विला विराट कोहली की संपत्ति में जुड़ गया है। अब बेशुमार दौलत का करें भी तो क्या करें। जमीन-जायदाद खरीदकर संतुलन बिठाया जाता है। बहरहाल, स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने अलीबाग में अवास लिविंग में २,००० वर्गफुट का अवास विलेज में विला खरीदा है, जिसकी कीमत ६ करोड़ रुपए है। विराट कोहली द्वारा अलीबाग में खरीदी गई यह दूसरी संपत्ति है। एक सितंबर २०२२ को कोहली और उनकी पत्नी अभिनेता अनुष्का शर्मा ने जीराड गांव में १९.२४ करोड़ रुपए में ३६,०५९ वर्गफुट का फार्महाउस भी खरीदा था। इसे समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड और सोनाली राजपूत से खरीदा गया था। विकास कोहली, जो क्रिकेटर की ओर से अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता थे, ने १.१५ करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया था। क्रिकेटर के ऑस्ट्रेलिया दौरे में व्यस्त होने के कारण उनके भाई विकास कोहली ने अलीबाग सब-रजिस्ट्रार कार्यालय का दौरा किया और पंजीकरण औपचारिकताओं को पूरा किया। कोहली ने लेन-देन के लिए ३६ लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया और सौदे के हिस्से के रूप में क्रिकेटर को ४०० वर्गफुट का स्विमिंग पूल भी मिलेगा।

निर्भया पथक की सतर्कता से मिला मां को अपना बेटा ! :साइकिल लेने निकला था घर से हो गया था लापता

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : तिलक नगर पुलिस के निर्भया पथक ने करीब १६ घंटे परिश्रम करने के बाद एक १० वर्षीय गुमशुदा बालक को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाने में सफलता पाई है। पुलिस पीड़ित बच्चे के पहने हुए मदरसे की यूनिफार्म व गोवंडी-शिवाजी नगर मानखुर्द की दर्जनों मस्जिदों में एलान कराने के बाद उस बच्चे तक पहुंच सकी। इसके लिए वरिष्ट अधिकारियों ने निर्भया पथक के सराहनीय काम का अभिनंदन किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील काले ने बताया कि निर्भया पथक अधिकारी पुलिस उपनिरीक्षक श्रद्धा पारसे व उनकी टीम ने मानखुर्द इलाके में रहने वाले दस साल के बच्चे को छेड़ानगर से अपने कब्जे में लिया था। बताया गया कि वो बच्चा अपने दोस्त के साथ साइकिल लेने के लिए घर से बिना बताए रात में शिवाजी नगर के लिए निकला था। वहां वह दोनों बिछड़ गए और रात करीब १० बजे बच्चा भटकते हुए चेंबूर के छेड़ानगर इलाके में पहुंच गया। उस समय पेट्रोलिंग कर रही निर्भया पथक की टीम ने बच्चे को अकेला देख पूछताछ की लेकिन वह अपने घर का पता और परिजनों के मोबाइल नंबर बताने में असमर्थ था। इसके बाद पुलिस उसे तिलक नगर पुलिस स्टेशन लेकर आई। वरिष्ट पुलिस निरीक्षक सुनील काले और पुलिस निरीक्षक विलास राठोड के मार्गदर्शन में पुलिस इंस्पेक्टर राजदत्त कांबले, महिला पुलिस सब इंस्पेक्टर पोर्णिमा हांडे व शेडगे, पुलिस शिपाई बनसोडे और निमगिरे की मदद से पीड़ित बच्चे के पहने हुए यूनिफॉर्म की मदद से इलाके में और फिर मस्जिदों में एलान कराया। उसके बाद पुलिस बच्चे की माता तक पहुंच गई और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को परिजनों को सौंप दिया।

केईएम अस्पताल में असुविधाओं की भरमार है

मुंबई : मुंबई मनपा द्वारा संचालित केईएम अस्पताल इस समय बुरे दौर से गुजर रहा है। अस्पताल में अजब कारोबार चल रहा है। इस अस्पताल में असुविधाओं की भरमार है, जिसका सीधे असर मरीजों पर पड़ रहा है। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन इन समस्याओं को सुलझाने की बजाय उनकी अनदेखी कर रहा है। यहां व्याप्त इन सभी दिक्कतों का सामना केवल सामान्य मरीजों को करना पड़ रहा है, जबकि केईएम में वीआईपी मरीजों को वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। इन्हें सभी चिकित्सा जांच और इलाज बिना किसी असुविधा के तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है। कुछ यही दशा रेडियोलॉजी विभाग का भी है। यहां एमआरआई कराने के लिए आनेवाले सामान्य मरीजों को सात से आठ महीने के बाद का डेट दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में गरीब मरीजों को मजबूरन महंगी कीमत में बाहर एमआरआई करानी पड़ रही है। दूसरी तरफ पहुंचवाले व्यक्ति के पहुंचते ही कुछ ही घंटों के भीतर उनका एमआरआई कर दिया जाता है। अस्पताल के इस भेदभाव पूर्ण रवैए को लेकर गरीब मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी फैल रही है। मुंबई मनपा द्वारा केईएम, नायर, सायन और कूपर जैसे बड़े अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कस्तूरबा विशेष वायरल अस्पताल सहित १६ उपनगरीय अस्पताल, प्रसूति अस्पताल और दवाखाने भी संचालित हैं। इन अस्पतालों के माध्यम से मनपा लोगों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध करा रही है। फिलहाल, नगरसेवकों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद जब से मनपा के कामकाज प्रशासक के कंधे पर आए हैं, तबसे सभी अस्पतालों की बुरी ग्रह दशा शुरू हो गई है। इसी क्रम में मनपा के प्रमुख अस्पतालों में से एक केईएम की दशा खराब चल रही है। आलम यह है कि यहां मुंबई और महाराष्ट्र समेत देश के विभिन्न राज्यों से इलाज कराने के लिए आनेवाले मरीजों को तमाम असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। मरीज और उनके परिजन आरोप लगा रहे हैं कि वर्तमान में यह अस्पताल दवाओं की किल्लत के साथ ही आवश्यक सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा हैं। मरीजों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में मेडिकल स्टाफ की तरफ से इलाज में कोताही बरती जा रही है। डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ का परिजनों के साथ उचित व्यवहार नहीं होता है। मरीज के बारे में पूछे जाने पर लीपापोती वाला जवाब दिया जाता है। इसके अलावा अस्पताल में दवाओं की भारी कमी है। ऐसे में मरीजों को बाहर स्थित मेडिकल स्टोरों से खरीद रहे हैं। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, इस साल के बजट में केईएम अस्पताल के लिए नई एमआरआई और सीटी स्वैंन मशीन खरीदने के लिए निधि का प्रावधान किया गया है। हालांकि, दोनों मशीनों की खरीदी में देरी हो रही है, जिस कारण मरीजों को लंबी तारीख मिल रही है। इस बारे में अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संजीव कुमार, मनपा स्वास्थ्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे, मनपा अस्पतालों की निदेशक डॉ. नीलम अंद्राडे से कई बार संपर्क किया गया लेकिन वे फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझे।

भैंस के दूध में आया उबाल ! ५ रुपए प्रति लीटर हुआ महंगा मुंबईकरों को लगेगा महंगाई का शॉक

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : राज्य में जब से ईडी सरकार स्थापित हुई है, तब से महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल, डीजल तथा गैस के साथ अब भैंस के दूध में उबाल आया है यानी की महंगा हुआ। मुंबईकरों को भी महंगाई का एक और शॉक लगनेवाला है। कुछ दिनों पहले गाय का दूध महंगा हुआ था। अब मुंबई दूध उत्पादक संघ ने शहर में भैंस के दूध की कीमत बढ़ाने का पैंसला किया है। फिलहाल, मुंबई में भैंस का दूध ८० रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। इसमें पांच रुपए वृद्धि करने की जानकारी एमएमपीए ने दी है १ मार्च से मुंबईकरों को भैंस का दूध खरीदने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। एमएमपीए अध्यक्ष सी. के. सिंह ने कहा कि भैंस के दूध के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। शहर में तीन हजार से अधिक दूध विक्रेता हैं। अब शहर के रिटेलर्स दुग्ध विक्रेताओं को भैंस का दूध ८० रुपए प्रति लीटर की जगह ८५ रुपए प्रति लीटर मिलेगा, वहीं खुदरा ग्राहकों को ९० से ९५ रुपए प्रति लीटर देना होगा। मुंबई में भैंस के दूध की बिक्री दर इससे पहले सितंबर २०२२ में बढ़ाई गई थी। उस समय भैंस का दूध ७५ रुपए से बढ़ाकर ८० रुपए कर दिया गया था।

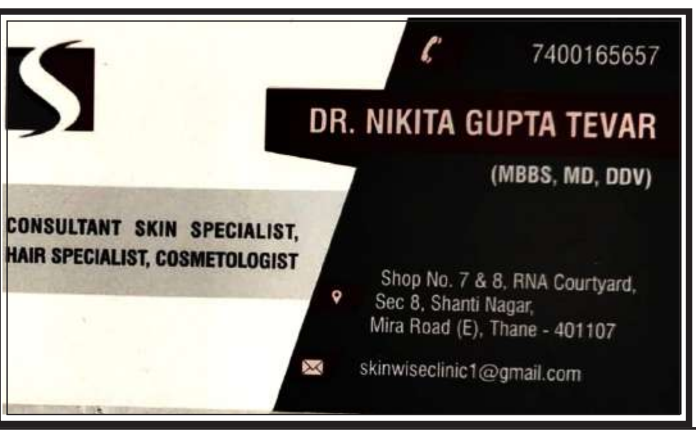

फीलिंग हॉट !

कपूर खानदान की ग्लैमरस एक्ट्रेस करीना कपूर खान इंडस्ट्री के साथ–साथ सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। करीना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर फैंस जहां एक्ट्रेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग उन्हें ट्रोल भी करने लगे हैं। हालांकि, कुछ फैंस उनकी हॉटनेस की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। करीना ने ब्राइट रेड कलर के जंपसूट में अपनी दो फोटो शेयर की है। इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा है कि फीलिंग हॉट। जिस पर एक यूजर ने कॉमेंट बॉक्स में लिखा है इस उम्र में खुद को हॉट नहीं कहते। वहीं, कई लोग करीना की अदाओं पर मर मिटे हैं। ४२ वर्ष की उम्र में भी आज करीना बॉलीवुड की तमाम कम उम्र अभिनेत्रियों को खूबसूरती के मामले में टक्कर देती हैं।

नोरा हुईं ट्रोल

एक्ट्रेस और मॉडल नोरा फतेही अक्सर अपने बोल्ड अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाती नजर आती हैं। नोरा ने लोगों को अपने डांस का दीवाना बना दिया है। जब भी फतेही ठुमके लगाती हैं तो फैंस की धड़कनें तेज हो जाती हैं। वैसे भी नोरा अपनी अदाओं से लोगों को घायल करना बखूबी जानती हैं। नोरा आए दिन स्पॉट होती रहती हैं और पैपराजी भी उन्हें अपने कैमरे में कैद करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इस बीच नोरा की कुछ फोटोज सामने आई हैं, जिसमें वो बेहद हसीन लग रही हैं। नोरा को कल पैपराजी ने अपने कैमरे में कैद किया है। इस दौरान नोरा का अंदाज देखने लायक था। वहां मौजूद सभी लोगों की नजरें एक्ट्रेस पर ही टिकी हुई थीं। इस दौरान नोरा ने टाइट टॉप पहन रखा था। साथ ही एक्ट्रेस ने काला चश्मा भी लगाया था। एक्ट्रेस का ये अवतार देख फैंस घायल हो गए हैं। जहां कुछ लोगों को नोरा का ये अंदाज खूब पसंद आ रहा है। तो वहीं कुछ लोग नोरा को ट्रोल कर रहे हैं। ट्रोल्स का ये मानना है कि नोरा बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा को कॉपी कर रही हैं।

उर्वशी की खुली पोल

अभी कुछ दिन पहले ही उर्वशी रौतेला, ऋषभ शेट्टी की ग्लोबल ब्लॉक बस्टर फिल्म कांताराके दूसरे पार्ट में काम करने को लेकर काफी सुर्खियों में रही थीं। इसी के बाद ही खबरों का बाजार गर्म हो गया था कि वो कांतारा–२ में नजर आएंगी। बता दें कि उर्वशी रौतेला ने कांतारा फेम एक्टर ऋषभ शेट्टी के साथ अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। तस्वीर के साथ उर्वशी ने कैप्शन में लिखा, कांतारा–२ लोडिंग। वहीं, उर्वशी ने कैप्शन में न सिर्फ ऋषभ शेट्टी, बल्कि होमबेल फिल्मस को भी टैग किया, जिन्होंने कांतारा को प्रोड्यूस किया। इसी के बाद से ही फिल्म में उनके काम करने की खबरें चर्चा में आ गई हैं। हालांकि, अब फिल्म के लीड एक्टर ऋषभ शेट्टी ने एक्ट्रेस के पोस्ट की पोल खोल दी है। उन्होंने इस बात पर से पर्दा उठा दिया है कि वो कातांरा–२ में काम नहीं कर रही हैं। लेकिन अब फिल्म के लीड एक्टर ऋषभ शेट्टी ने इस पूरे मामले का सच बता दिया है। दरअसल, हाल ही में ऋषभ ने एक इवेंट के दौरान इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत की, जिसका वीडियो उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है। रिपोर्टर ने ऋषभ से पूछा कि क्या उर्वशी रौतेला भी कांतारा–२ में हैं, ऐसा सुनने में आ रहा है ? इस पर ऋषभ कहते हैं, ॐनहीं–नहीं, ऐसा कुछ नहीं है: सिर्फ सेल्फी देखकर आप लोग भी न ऐसा: !

कुछ खास नहीं है

बॉलीवुड फिल्म स्टार आलिया भट्ट मां बनने के ३ महीने बाद फिर से रूटीन वर्किंग लाइफ में लौट आई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मुंबई में स्पॉट हुईं , जहां अदाकारा ने पिंक कलर का ओवरसाइज्ड सूट पहना हुआ था, जिसे देख एक्ट्रेस का ये लुक उनके फैंस को खास पसंद नहीं आया। अदाकारा को इस पिंक सूट में देखने के बाद लोग सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल करने लगे हैं।

मासूम बच्ची का अपहरण करने वाला बिहार से गिरफ्तार

वसई। आचोले पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में सक्रियता दिखाते हुए एक साल की अपहृत बच्ची को मुक्त करा कर न सिर्फ उसके मां बाप के हवाले कर दिया अपितु अपहरणकर्ता को भी गिरफ्तार कर लिया। मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार १५ फरवरी की शाम ४.३० बजे एक साल की बच्ची का उसी परिसर में रहने वाले सुमेंद्रकुमार सुकलदास मंडल ने उस उसका अपहरण कर लिया, जब वह घर के बाहर खेल रही थी। मंडल बच्ची को लेकर बिहार भाग गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आचोले पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सरोदे ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे, अप्पर पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठक, पुलिस उपायुक्त अविनाश अंबुरे, पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे, सहायक पुलिस आयुक्त अमोल मांडये तथा सहायक पुलिस आयुक्त चंद्रकांत जाधव को दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में तत्काल एक विशेष टीम बिहार भेजी गई। पुलिस ने बच्ची को सकुशल उसके मां–बाप को सौंप दिया है। अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संदेश पालांडे कर रहे हैं।

कैसे सुधरेगा स्कूलों का हाल, ठेकेदार खा गया बच्चों का माल ! शिक्षणाधिकारी की जांच में हुआ घोटाले का खुलासा

मुंबई : महाराष्ट्र की ईडी सरकार की नाक के नीचे खेल हो रहा है। मुंबई में मनपा और राज्य सरकार द्वारा संचालित स्कूलों में वितरित होनेवाले राशन में बड़ा घोटाला सामने आया है। वितरित किए जाने वाले ९५ प्रतिशत अनाज को ठेकेदार खा गया और इसकी भनक तक प्रशासन को नहीं लगी। जब कुछ स्कूलों की तरफ से शिकायत की गई तो प्रशासन जगा और जांच का आदेश दिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि स्कूलों का फर्जी हस्ताक्षर कर इतने बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया है। इसके बाद अब उप शिक्षणाधिकारी ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की रिपोर्ट भेजी है। इस मामले के सामने आने के बाद सवाल खड़े होने लगे हैं कि स्कूलों का हाल कैसे सुधरेगा, जब ठेकेदार ही बच्चों का माल खा जाएगा ? बता दें कि सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उनके सेहत में सुधार हेतु पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए शालेय पोषण आहार योजना शुरू की गई है। इस योजना के माध्यम से स्कूल के बच्चों को अनाज वितरण किया जाता है। इसके लिए स्कूलों में अनाज वितरण का ठेका आकाश ग्राहक सहकारी संस्था मर्यादित को दिया गया था। आकाश ग्राहक सहकारी संस्था की तरफ से ९५ प्रतिशत स्कूलों में अनाज वितरण नहीं किया गया। इन स्कूलों का फर्जी हस्ताक्षर कर बिल जमा कर दिया गया। इस बिल पर स्कूलों का स्टैंप नहीं था। बताया गया कि स्कूल बंद होने के कारण स्टैंप नहीं मिल सका। इस बीच कुछ स्कूलों की तरफ से अनाज नहीं मिलने की शिकायत शिक्षण विभाग से की गई। इसके बाद जब शिक्षण विभाग के उप शिक्षणाधिकारी अजय वाणी द्वारा मुंबई के स्कूलों में जांच की गई तो पाया कि ९५ प्रतिशत स्कूलों में अनाज वितरण हुआ ही नहीं है। इस पर अब शिक्षण विभाग की तरफ से राज्य शिक्षण विभाग और पुणे शिक्षण आयुक्त से इस संदर्भ में कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है।

फरवरी में ही गर्मी आई : बीमारी की सुनामी लाई !

मुंबई : कड़ाके की ठंड के बाद अब गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। इस चिलचिलाती गर्मी के बावजूद पिछले कई सप्ताह से हवा की गुणवत्ता ज्यादातर खराब बनी हुई है। दूसरी तरफ मुंबई समेत राज्यभर में फरवरी महीने में ही गर्मी अपने साथ बीमारियों की सुनामी (बाढ़) भी लाई है। सरकारी और मनपा अस्पतालों की ओपीडी में २०–२५ फीसदी मामलों में बढ़ोतरी हुई है। चिकित्सकों के मुताबिक, शहर में डिहाइड्रेशन, उल्टी, दस्त, शरीर में दर्द, आंखों में जलन, पेशाब में जलन, चक्कर आने और थकान के मामलों में वृद्धि हुई है। इसके अलावा पेट और पैर में ऐंठन, सहनशक्ति की कमी, ठीक से नींद न आना, जी मिचलाना आदि स्वास्थ्य से संबंधित शिकायतें मरीज कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई और महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों का तापमान तेजी से बढ़ा है। इसको देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मुंबई शाखा ने हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। शनिवार को मुंबई का अधिकतम तापमान ३२.८ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसे ध्यान में रखते हुए आईएमडी ने मुंबई और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में तपिश रहने का अलर्ट जारी किया है। मनपा अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि मरीज डिहाइड्रेशन, नाक बहने, गले में दर्द के कारण होनेवाली एलर्जी की शिकायत लेकर उनके पास पहुंच रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए चिकित्सक लोगों से दोपहर १२ से ३ बजे के बीच बाहर नहीं निकलने का आग्रह किया है। जेजे अस्पताल के सहायक प्रोफेसर डॉ. मधुकर गायकवाड़ ने कहा कि वायरल बुखार, सिरदर्द, गैस्ट्रोएंटेराइटिस और गले में खराश से पीड़ित रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले एक सप्ताह में ओपीडी में आनेवाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

घरकुल योजना के लक्ष्य नहीं हुए पूरे : पांच लाख मकान बनने हैं बाकी !

मुंबई : केंद्र सरकार की घरकुल योजना के लिए महाराष्ट्र को दिए गए लक्ष्य में अभी भी ५ लाख ४ हजार १२९ आवास का निर्माण होना बाकी है, इसका खुलासा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से हुआ है। इस योजना के तहत १४ लाख ७१ हजार ३५९ आवासों का निर्माण कार्य जनवरी २०२३ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से ९ लाख ६७ हजार २३० आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रत्येक बेघर परिवारों को घर देने के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग की ओर से २०१६ से प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई है। योजना के तहत २०२४ तक आवश्यक सुविधाओं सहित देश में २.९५ करोड़ आवास बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके लिए देश भर से आए कुल आवेदनों में से २.८३ करोड़ घरों को मंजूरी दी गई थी। २०१९ तक २.१५ करोड़ घर बनाए गए। महाराष्ट्र में पिछले तीन साल में केंद्र ने १४ लाख ७१ हजार ३५९ आवास बनाने का लक्ष्य रखा था। इसके लिए केंद्र सरकार ने अपने हिस्से के ४,३७५.२३ करोड़ रुपए दिए थे। राज्य सरकार ने अपना हिस्सा मिलाकर ३० जनवरी, २०२३ तक ९ लाख ६७ हजार २३० आवासों का निर्माण किया, जबकि ५ लाख ४ हजार १२९ आवासों का निर्माण होना बाकी है, ऐसा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़े में उल्लेख किया है।

जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों पर लटके ताले : पोषण आहार के पड़े लाले !

पालघर : राजव्यापी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की २० फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है लेकिन अब तक राज्य सरकार ने इनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के हड़ताल पर चले जाने का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर पड़ रहा है। जिले के हजारों आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताले लटकने की वजह से पोषण आहार के लाले पड़ गए हैं। आंगनवाड़ी कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण केंद्रों में गर्भवती महिलाओ और बच्चो को दिया जाने वाला पूरक पौष्ठिक आहार, गर्म ताजा भोजन एवं अमृत आहार योजना पूर्ण रूप से बंद है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की समस्या होगी। साथ ही बच्चों का वजन और लंबाई नापने, न्यूट्रिशन ट्रैकर पर जानकारी भरने का काम बंद है। हड़ताल के कारण पालघर के आदिवासी बाहुल्य इलाकों में कुपोषण के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान दम तोड़ता नजर आ रहा है। ६ हजार से ज्यादा आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका के हड़ताल पर जाने से करीब ३,३०० आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताला लटका है, जिससे कुपोषित बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार भी पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। कुपोषित बच्चों के लिए समस्या बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। पालघर के मोखाड़ा, जव्हार, विक्रमगढ़, डहाणू, वाडा जैसे ग्रामीण इलाकों में आदिवासी बच्चों का कुपोषित होना एक बड़ी समस्या है। कुपोषण के खिलाफ जारी लड़ाई में आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका की भूमिका काफी अहम है। ऐसे में काम करते समय इन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इनका आरोप है कि सरकार इनके मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए मजबूरन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने आंगनवाड़ी कृति समिति की अगुवाई में २० फरवरी से शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल में भाग लिया है। बढ़ती महंगाई को देखते हुए सरकार से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांग है कि उनका पारिश्रमिक दोगुना करना चाहिए। बच्चों को दिए जाने वाले पूरक पोषाहार की दर में कम से कम दो गुना वृद्धि की जाए। आंगनवाड़ी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद उनके वेतन का कम से कम आधा मासिक पेंशन दी जाए।

बेस्ट की ४०० सीएनजी बसें : सड़क से उतर जाएंगी !

मुंबई : मुंबई की सड़कों पर बेस्ट की सीएनजी बसें सफल नहीं हो रही हैं। आए दिन सीएनजी बसों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। पिछले १ महीने में ३ सीएनजी बसों में आग लगने की घटनाएं चुकी हैं। सीएनजी बसों में आग की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए बेस्ट ने अब ४०० सीएनजी बसों को सड़क से उतारने का फैसला किया है। बुधवार को बेस्ट विभाग की ओर से इस संदर्भ में ट्वीट पर जानकारी दी गई। बेस्ट विभाग के ऑफिशियल ट्विटर पर स्पष्ट रूप से बताया गया है कि बेस्ट विभाग जल्द ही ४०० सीएनजी बसों को न चलाने फैसला किया है। बता दें कि बुधवार को देर शाम अंधेरी–पूर्व में भी सीएनजी बस जलने की घटना सामने आई। शाम को अंधेरी–पूर्व स्टेशन के पास उस बस में अचानक आग लग गई। इसके अलावा एक महीने के भीतर दो अन्य जगहों पर भी सीएनजी बसें जलकर खाक हो गई थीं। ये सभी बसें लगभग डेढ़ साल पहले ही सेवा में शामिल की गई थीं। बेस्ट विभाग के अनुसार, सीएनजी बसों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में यात्रियों के जान–माल का नुकसान हो सकता है। भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए बेस्ट ने अब बड़ी संख्या में चल रही सीएनजी बसों को सड़क से उतारने की तैयारी की है। बेस्ट अधिकारियों के अनुसार, इन सीएनजी बसों को धीरे–धीरे सड़क से हटाया जाएगा। जब तक की इनमें आग लगने की समस्या को सुलझाया नहीं जाता है, तब तक इसे फिर से सड़क पर नहीं दौड़ाया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि प्रवासियों को समस्या न हो इसलिए अभी १०० बसें खड़ी कर दी गई हैं, बाकी बची बसों को भी जल्द ही सड़क से हटाया जाएगा। आगामी दिनों में इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा दिया जाएगा। अलग–अलग चरण में लगभग ९०० डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की योजना है। दो दिन पहले डबल डेकर बस सेवा शुरू की गई है। डबल डेकर बस सेवा को लेकर मुंबईकर काफी उत्साहित हैं। डबल डेकर बसों के बाद अब सामान्य इलेक्ट्रिक बसों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। मनपा के खेमे में फिलहाल लगभग ३९० इलेक्ट्रिक बसें हैं। अब और इलेक्ट्रिक बसों को किराए पर लेकर मनपा अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों का काफिला बढ़ाने का प्रयास कर रही है। एक गौरतलब है कि इलेक्ट्रिक बसों में आग की घटनाएं नगण्य के बराबर हैं। इतना ही नहीं सीएनजी की तुलना में कम खर्चीली और कम मेंटेनेंस वाली ये बसें आरामदायक भी साबित हो रही हैं। ऐसे में बेस्ट विभाग इन बसों की संख्या बढ़ाने के लिए जोर दे रहा है।

बेस्ट के स्मार्ट मीटर ने बढ़ाई मुंबईकरों की मुसीबत !

मुंबई : महानगर मुंबई में बिजली चोरी से बचने के लिए बेस्ट ने अब स्मार्ट मीटर लाने की तैयारी की है। बेस्ट की बिजली सेवा ले रहे १०.५ लाख उपभोक्ताओं के मोबाइल को इलेक्ट्रिक मीटर से जोड़ने की योजना पर बेस्ट का बिजली विभाग काम कर रहा है। आगामी एक मार्च से यह योजना शुरू हो रही है। ऐसा दावा बेस्ट की ओर से किया जा रहा है। इस स्मार्ट मीटर के साथ ही बेस्ट बिजली उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड की व्यवस्था भी लेकर आ रहा है। ऐसे में मुंबईकरों को सावधान होने की आवश्यकता है। बिजली का बिल नहीं भरने वालों के लिए यह प्रीपेड सेवा मुसीबत होगी। जितने का भुगतान होगा उतने रुपए की ही बिजली प्रदान की जाएगी। स्मार्ट मीटर में आप अपने मोबाइल में बिजली के मीटर बढ़ते देख सकेंगे। उपभोक्ता रोजाना की रिपोर्ट ले सकेंगे। इतना ही नहीं बिजली बिल को आप मोबाइल की तरह प्रीपेड रिचार्ज भी कर सकेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि बेस्ट ने इन दिनों मीटर व्यवस्था को आधुनिकता से जोड़ते हुए अब स्मार्ट मीटर बिठाने का फैसला किया है। यह स्मार्ट मीटर कई मामलों में विशेष होगा। इस मीटर को उपभोक्ता अपने ४जी और ५जी मोबाइल से फोन कनेक्ट कर सकेंगे। इसके तहत उपभोक्ता ऑनलाइन बिल पेमेंट कर सकेंगे। इसमें उपभोक्ताओं के लिए प्री–पेड भुगतान का विकल्प भी होगा। बेस्ट के महाप्रबंधक लोकेश चंद्र ने बताया कि स्मार्ट मीटर के जरिए उपभोक्ता अपने दैनिक बिजली के उपयोग की जांच रोजाना कर सकते हैं। उनके मोबाइल पर डेली खर्च होनेवाली बिजली यूनिट की जानकारी मिल सकेगी। इस सुविधा के बाद बेस्ट विभाग में बिल बनाने के लिए बिजली तकनीशियन की आवश्यकता खत्म हो जाएगी।

साफसफाई और स्वच्छता अभियान के चलाने का कार्यक्रम संपन्न

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर । मीरा भायंदर महानगर पालिका आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले के मार्गदर्शन में स्वच्छ सर्वेक्षण २०२३ अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इस स्वच्छ सर्वेक्षण २०२३ अभियान के तहत मीरा भायंदर महानगर पालिका द्वारा आयोजित प्लाग दौड़ का शुभारंभ २४ फरवरी २०२३ को सुबह ८.०० बजे किया गया। आयुक्त ढोले ने आयुक्त निवास से शुभारंभ किया। इस अवसर पर मीरा भायंदर नगर स्वच्छ सर्वेक्षण के ब्रांड एंबेसडर डॉ. गिरीश ओक मौजूद थे। प्लॉग रन के आयोजन का मुख्य उद्देश्य मीरा भायंदर शहर के नागरिकों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना, प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ जन जागरूकता

पैदा करना था। आयोजित दौड़ में स्वच्छता के महत्व को जानकर शहर के नागरिकों ने ही भाग लिया और अच्छा प्रतिसाद दिया। काशीमीरा छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक से सिल्वर पार्क से गोल्डन नेस्ट सर्कल, कमिश्नर निवास से रामदेव पार्क से आइडियल पार्क से गोल्डन नेस्ट सर्कल, नगर निगम मुख्यालय से पुलिस स्टेशन से नगर भवन से फ्लाई ओवर ब्रिज से गोल्डन नेस्ट सर्कल तक गतिविधियां आयोजित की गईं। भायंदर पश्चिम रेलवे स्टेशन से गोल्डन नेस्ट सर्कल तक फ्लाई ओवर ब्रिज के लिए ६० फीट रोड, वार्ड ऑफिस नंबर ३ से गोडदेव नाका से फाटक रोड से गोल्डन नेस्ट सर्कल, कौस्तुभ राणे मेमोरियल मीरा रोड स्टेशन से एस.के. स्टोन ,गोल्डन नेस्ट सर्कल तक किया गया। प्लाग दौड़ कोई दौड़ नहीं है बल्कि इस पहल में नागरिकों द्वारा नियोजित मार्ग की सफाई और शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाना शामिल है। सफाई और कचरा बैग के लिए नागरिकों को हाथ के दस्ताने दिए गए। लगभग १००० से १२०० नागरिकों ने स्वच्छ सर्वेक्षण २०२३ अभियान के तहत क्रियान्वित प्लाग रन में भाग लिया। दौड़ की समाप्ति के बाद गोल्डन नेस्ट सर्कल पर एकत्रित सभी नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसमें भाग लेने वाले स्कूलों और सामाजिक संगठनों, वर्तमान अभिनेता आदि को आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त ने उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए सम्मानित किया और प्रमाण पत्र दिया। इस गतिविधि में ५० से अधिक स्कूलों और अन्य सामाजिक संगठनों ने भाग लिया। आयुक्त ने कहा कि मीरा भायंदर महानगर पालिका, मीरा भायंदर शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए हमेशा तैयार और प्रयासरत रहेगा। मीरा भायंदर नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने शहर को स्वच्छ रखने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, लेकिन हमें भी इस महत्वपूर्ण कार्य में सभी नागरिकों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शहर में प्लास्टिक के उपयोग को रोकने और शहर को साफ रखने के लिए प्लग रन की पहल पर शहर के नागरिकों ने सहज प्रतिक्रिया दी। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टू, अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड, उपायुक्त (ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन) रवि पवार, उपायुक्त (पार्क) संजय शिंदे, उपायुक्त (महिला एवं बाल कल्याण) कल्पिता पिंपले, महापालिका अधिकारी, कर्मचारी, प्राचार्य, शिक्षक, संस्था व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कला खेल महोत्सव का शुभारंभ किया आयुक्त दिलीप ढोले ने

जेकेएस संवाददाता

भायंदर । मीरा भायंदर महापालिका आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले ने कला-खेल महोत्सव २०२३ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे, अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड, उपायुक्त (मुख्यालय) रवि पवार, उपायुक्त (खेल) कल्पिता पिंपले, महापालिका अधिकारी, स्कूल के प्रधानाचार्य और छात्र उपस्थित रहे। उपायुक्त ढोले ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयुक्त ने कहा कि महानगर पालिका के विद्यालयों के विद्यार्थियों में खेलों का महत्व बढ़ाने, उनके शारीरिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए इस कला एवं खेलकूद महोत्सव का आयोजन किया गया है। २३ फरवरी से २७ फरवरी तक विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। २३ फरवरी को कबड्डी एवं लंगड़ी, २४ फरवरी को खो-खो एवं लागोरी, २५ फरवरी को दौड़, २६ व २७ फरवरी को सांस्कृतिक प्रतियोगिता एवं ओपन क्रिकेट का आयोजन किया गया है। आयुक्त ने मशाल जलाकर प्रतियोगिता में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और अधिक से अधिक छात्रों से उक्त कला और खेल उत्सव में भाग लेने की अपील की।

मनपा में खाली पदों को लेकर नियुक्ति की मिली मंजूरी

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : राज्य सरकार ने मीरा भायंदर महानगर पालिका में रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। महानगर पालिका ने ३३९ महत्वपूर्ण पदों को भरने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा था। शर्त में ढील देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने बताया कि अगले छह महीने में प्रशासन द्वारा भर्ती के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। एमबीएमसी के हेल्थ डिपार्टमेंट में कुछ पदों को भरने के लिए अंतिम भर्ती प्रक्रिया वर्ष २०१५ में आयोजित की गई थी। इसके बाद स्थापना लागत को नियंत्रित करने के लिए पिछले सात वर्षों में किसी भी पद के लिए कोई भर्ती प्रक्रिया नहीं की गई है। नतीजतन, उन कर्मचारियों की जगह खाली पड़ी हैं, जिससे पिछले कई वर्षों में कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं। इसलिए मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ने के कारण कुछ पद अनुबंध के आधार पर भरे जायेंगे। मीरा-भायंदर महानगर पालिका का संशोधित डायग्राम २०१९ में स्वीकृत किया गया है। इस हिसाब से करीब ३ हजार ८०० पद स्वीकृत किए गए हैं और इनमें से १ हजार ३०० से अधिक पद रिक्त हैं। राज्य सरकार ने महानगर पालिकाओं को रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया लागू करने का आदेश दिया है। इसलिए प्रशासन ने समूह ए, बी और सी में ३३९ महत्वपूर्ण पदों को भरने के लिए पिछले महीने राज्य सरकार को प्रस्ताव सौंपा था। इसे हाल ही में मंजूरी दी गई है। इस भर्ती प्रक्रिया को लागू करने के लिए महानगर पालिका को सरकार द्वारा टीसीएस और आईबीपीएस (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल सेलेक्शन, में से किसी एक संस्थान का चयन करने का आदेश दिया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया को लागू करने के लिए नगर निगम के बजट में आवश्यक प्रावधान है। अत: बिन्दु नियमों की जांच कर विज्ञापन प्रकाशित कर अगले छह महीने में भर्ती की आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी. मीरा भायंदर महानगर पालिका ने हाल ही में सरकार के आदेश के अनुसार बारवी बांध के कुछ परियोजना पीडितों को सेवा में शामिल कर लिया है। कुछ को आने वाले समय में भी समायोजित किया जाएगा। साथ ही सफाई, चालक व अन्य कार्यों के लिए स्टाफ उपलब्ध कराने का ठेका दिया है। इसलिए डी श्रेणी को छोड़कर अन्य ग्रुप में पद भरे जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से चिकित्सा अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता, फायरमैन, डिपो प्रबंधक, सहायक आयुक्त, डायलिसिस तकनीशियन और अन्य पद शामिल हैं।

कोंकण रत्न पुरस्कार से किया सम्मानित पुलिस निरीक्षक मिलिंद देसाई को

भायंदर । नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राष्ट्रपति पदक पुरस्कृत मिलन देसाई को १९ फरवरी को कोंकण सेवा संस्था द्वारा भायंदर पूर्व के कमलाकर पाटिल सभागृह में आयोजित शिव जन्मोत्सव समारोह में विधायक प्रताप सरनाईक के हाथों कोंकण रत्न पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर मीरा भायंदर महानगर पालिका के आयुक्त दिलीप ढोले , संस्था के अध्यक्ष मनोज राणे, सचिव देवदास सावंत, कोषाध्यक्ष कृष्णा दरेकर समेत संस्था के तमाम पदाधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित रहे।

जानवरों के अस्पताल का मनपा अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : भायंदर पश्चिम के मुर्धा खाडी स्थित शहर के एक मात्र पशु दवाखाने की जिला परिषद के पशुसंवर्धन अधिकारियों ने एक सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत पर सुध लेकर दवाखाने में पशुधन पर्यवेक्षक की नियुक्ति की है ! प्राप्त जानकारी के अनुसार सागरी किनारे पर मुर्धा स्थित पहले से ही पशु दवाखाना है जिसका पुन निर्माण करीब २१ लाख की राशि जिला परिषद द्वारा खर्च कर वापिस निर्माण २०१७ में किया गया था परंतु पिछले करीब ५ वर्षो से यह दवाखाना बंद होने से पशु पालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता था ! जिस पर सामाजिक कार्यकर्ता श्रेयस सावंत द्वारा जिला परिषद के पशु संवर्धन अधिकारियों को शिकायत किए जाने के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया तथा जिला पशु संवर्धन अधिकारी डा समीर तोडऩकर, पशु धन विकास अधिकारी डा कीर्ति दायजोडे, पशु धन पर्यवेक्षके बी एस डोंड ने मुर्दा खाडी स्थित दवाखाने का दौरा कर दवाखाने का निरीक्षण कर बी एस दौड.को पशु दवाखाने में पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति की गई जिससे ग्रामीणों में उत्साह है, ! इस अवसर पर शिकायत कर्ता श्रेयस सावंत पूर्व नगरसेवक रोहित सुवर्णा तथा सामाजिक कार्यकर्ता निखिल पाटिल मौजूद थे, ! यहां यह गौरतलब है की यह दवाखाना जिला परिषद द्वारा संचालित है लेकिन शहर के इस दवाखाने को जिला परिषद द्वारा महानगरपालिका को हस्तांतरण नही किया गया था !

चित्रकला स्पर्धा का कार्यक्रम हुआ संपन्न

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू किए गए माजी वसुंधरा अभियान के तहत नागरिकों के बीच जागरूकता के क्रम में विभिन्न गतिविधियों को क्रियान्वित किया जा रहा है। जिसके तहत २५ फरवरी को पालिका के माध्यम से स्कूली छात्रों के लिए पर्यावरण से जुडे. विषयों पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. पर्यावरण संरक्षण, वसुंधरा संरक्षण, ऊर्जा बचत के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग, प्लास्टिक मुक्त मीरा भायंदर शहर, वृक्ष संरक्षण आदि विषयों पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता

में क्षेत्र के ७५ स्कूलों के २५०० से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयुक्त द्वारा पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताते हुए छात्रों से कहा आप भविष्य हैं, आपको अभी से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता की आदत को अपनाना चाहिए और अपने भविष्य को प्रदूषण मुक्त, हराभरा और प्लास्टिक मुक्त बनाने में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर आयुक्त, ने अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधिकारियों, प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में मुझे सौंदर्य एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों द्वारा की गई पेंटिंग को देखकर आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले ने विशेष रूप से छात्रों के कौशल की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (पर्यावरण) संजय शिंदे, उप मुख्य उद्यान अधीक्षक हंसराज मेश्राम, नागेश विरकर, शिक्षा अधिकारी सोनाली माटेकर, स्कूल की प्रधानाध्यापिका, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

सरकारी अस्पताल को लेकर आंदोलन

मीरा-भाईंदर : भीमसेन जोशी अस्पताल के निजीकरण को लेकर विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को श्रमजीवी कामगार संगठन ने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ तहसीलदार कार्यालय तक भीख मांगो आंदोलन किया है। आंदोलन का नेतृत्व संगठन के जिलाध्यक्ष सुल्तान पटेल कर रहे हैं। विधायक गीता जैन राज्य सरकार से भीमसेन जोशी अस्पताल को पीपीपी मॉडल पर चलाने की मांग कर रही हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री ने एक वैठक का आयोजन भी किया था।

वरिष्ठ पत्रकार नामदेव काशिद को मराठा भूषण पुरस्कार

भायंदर । मीरा भायंदर शहर में पिछले १५ वर्षों से पत्रकारिता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार नामदेव काशिद को मराठा भूषण पुरस्कार मिलने से पत्रकारिता जगत में खुशी की लहर देखी जा रही है ।उन्हें यह पुरस्कार सकल मराठा समाज प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित शिवाजी जयंती समारोह में प्रदान किया गया। यह सामाजिक संस्था पिछले ५ वर्षों से मीरा भायंदर शहर में अनेक सामाजिक कार्य कर रही है। कोरोना संकटकाल में भी इस संस्था ने सराहनीय काम किया था। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल होने वालों में विधायक गीता जैन, विधायक प्रताप सरनाईक तथा अनेक नगरसेवकों का समावेश रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, उप संपादक मोहम्मद अहमद निसार अहमद, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9004895944 Email :newsjankalyanseva@gmail.com wwwjankalyanseva.com; Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI